# RNA : Real News Analysis

# DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जनवरी
09
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

# तिब्बती क्षेत्र और नेपाल में भूकंप / Earthquake in Tibetan region and Nepal

**संदर्भ:**

चीन के **तिब्बती क्षेत्र और नेपाल** के कुछ हिस्सों में **7.1 तीव्रता** का शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे क्षेत्र में भारी झटके महसूस किए गए। भूकंप का **केंद्र शिगात्से क्षेत्र के टिंग्री काउंटी** में सतह से लगभग 10 किलोमीटर नीचे स्थित था। यह स्थान विश्व के सबसे ऊंचे पर्वत माउंट एवरेस्ट से लगभग 80 किलोमीटर उत्तर में है।

- यह भूकंप **2014** के बाद से **चीन** में आया सबसे घातक भूकंप था।

## क्या हिमालय भूकंप के लिए संवेदनशील है?

### 1. भारतीय और यूरेशियन प्लेट की टेक्टोनिक टक्कर:

- हिमालय भारतीय और यूरेशियन प्लेटों की अभिसरण सीमा पर स्थित है।
- यहां भारतीय प्लेट, यूरेशियन प्लेट के नीचे दबती है, जिससे अत्यधिक तनाव उत्पन्न होता है, जो भूकंप के रूप में मुक्त होता है।

### 2. सक्रिय भ्रंश रेखाएं (Fault Lines):

- हिमालय में **मेन सेंट्रल थ्रस्ट** और **मेन बाउंड्री थ्रस्ट** जैसी कई सक्रिय भ्रंश प्रणालियां हैं।
- इन भ्रंशों पर अचानक खिसकने या हलचल से भूकंप उत्पन्न होते हैं।

### 3. युवा पर्वत श्रृंखला:

- हिमालय एक भूवैज्ञानिक रूप से युवा और संरचनात्मक रूप से अस्थिर पर्वत श्रृंखला है।
- इसकी यह अस्थिरता भूकंपीय गतिविधियों को और अधिक तीव्र बनाती है।

## भूकंप का स्थान क्यों महत्वपूर्ण है?

**भौगोलिक और सांस्कृतिक संदर्भ:**

1. **उपकेंद्र का स्थान:**
   - तिंग्री काउंटी, तिब्बत के शिगात्से क्षेत्र में स्थित है, जिसकी औसत ऊंचाई 4-5 किमी है और यहां लगभग 8 लाख लोग रहते हैं।
2. **सांस्कृतिक महत्व:**
   - शिगात्से तिब्बती बौद्ध धर्म के पंचेन लामा का निवास स्थान है और एक प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र है।
3. **पर्यटन पर प्रभाव:**
   - तिंग्री, माउंट एवरेस्ट के प्रवेश द्वार के रूप में प्रसिद्ध है। सर्दियों में पर्यटकों की संख्या कम होती है, लेकिन भूकंप के कारण क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियां निलंबित कर दी गईं।

## महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के पास की निकटता:

1. **ल्हासा टेरेन:**
   - भूकंप ल्हासा टेरेन में हुआ, जो भू-भौतिकीय अध्ययन और विकास परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र है।
2. **मेगा डैम परियोजना:**
   - इस क्षेत्र में चीन की महत्वाकांक्षी यारलुंग त्सांगपो नदी डैम परियोजना स्थित है, जो दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना है और प्रति वर्ष 300 अरब kWh बिजली उत्पन्न करने के लिए डिज़ाइन की गई है।
3. **भारत के लिए चिंताएं:**
   - यारलुंग त्सांगपो नदी अरुणाचल प्रदेश और असम में ब्रह्मपुत्र नदी बन जाती है। इससे जल प्रवाह और उपलब्धता पर संभावित प्रभाव को लेकर भारत में चिंताएं हैं।

## हिमालय में भूकंप के परिणाम:

### 1. भूस्खलन और हिमस्खलन:

- खड़ी भू-आकृति भूस्खलन को बढ़ावा देती है, जिससे बुनियादी ढांचे को भारी क्षति और जनहानि होती है।
- हिमस्खलन से पर्वतीय क्षेत्रों में स्थिति और गंभीर हो जाती है।

### 2. ग्लेशियल झील विस्फोट बाढ़ (GLOFs):

- भूकंप ग्लेशियल झीलों को अस्थिर कर सकते हैं, जिससे विनाशकारी बाढ़ आ सकती है।
- यह नदियों और आस-पास के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर नुकसान का कारण बनता है।

### 3. टेक्टोनिक उत्थान और भ्रंश:

- अचानक ऊंचाई में बदलाव से पारिस्थितिक तंत्र और मानव बस्तियों पर गहरा प्रभाव पड़ता है।
- यह क्षेत्रीय भूगोल को स्थायी रूप से बदल सकता है।

### 4. सांस्कृतिक और धरोहर हानि:

- इस क्षेत्र में प्राचीन मठ, मंदिर और सांस्कृतिक स्थलों का संरक्षण होता है।
- भूकंप इन ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं।

# जैविक मत्स्य क्लस्टर / Organic Fisheries Cluster

**संदर्भ:**

केंद्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह ने **सिक्किम के सोरेंग जिले** में भारत के पहले **जैविक मत्स्य क्लस्टर** का उद्घाटन किया।

- यह पहल प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के अंतर्गत शुरू की गई है।

**विशेषताएँ:**

- न्यूनतम पर्यावरण प्रदूषण और टिकाऊ उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करता है।
- जैविक मछली पालन के लिए अमूर कार्प और अन्य प्रमुख प्रजातियों को शामिल करता है।
- बुनियादी ढांचे, क्षमता निर्माण और किसान उत्पादक संगठनों (FFPO) के गठन के लिए वित्त पोषण के माध्यम से **NABARD द्वारा** समर्थित।

## ऑर्गेनिक मत्स्य पालन (Organic Fisheries):

### परिचय:

ऑर्गेनिक मत्स्य पालन उन मछली पालन प्रणालियों पर केंद्रित है जो पर्यावरणीय रूप से स्वस्थ होती हैं और हानिकारक रसायनों, एंटीबायोटिक्स और कीटनाशकों के उपयोग से बचती हैं।

### ऑर्गेनिक मत्स्य पालन क्लस्टर का महत्व-

#### 1. पारिस्थितिक लाभ (Ecological Benefits):

- पर्यावरणीय प्रदूषण में कमी और जलीय पारिस्थितिक तंत्र को क्षति से बचाने में मददगार।
- राज्य की **ब्लू इकोनॉमी** में महत्वपूर्ण योगदान।

#### 2. आर्थिक लाभ (Economic Benefits):

- जैविक मछली उत्पादों को बाजार में प्रीमियम मूल्य मिलता है।
- जैविक और टिकाऊ समुद्री भोजन की बढ़ती मांग का लाभ उठाकर सिक्किम की आर्थिक उत्पादन क्षमता बढ़ाना।
- जैविक मछली और संबंधित उत्पादों के निर्यात के नए अवसर खोलना।

#### 3. सामाजिक लाभ (Social Benefits):

- स्थानीय मछुआरों को सशक्त करना।
- सहकारी समितियों और **किसान उत्पादक संगठनों (FFPOs)** के लिए नए अवसर पैदा करना।
- समुदायों के उत्थान और आजीविका सुधार में सहायक।

### नाबार्ड के साथ सहयोग:

- **नाबार्ड** जैविक मत्स्यपालन क्लस्टर के विकास में वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करता है, जिसमें **इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास**, क्षमता निर्माण, और जलीय कृषि तकनीक में निजी निवेश को प्रोत्साहन शामिल है।
- **एफएफपीओ (फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन)** की स्थापना में सहायता, जिससे जैविक मत्स्यपालन को सुव्यवस्थित किया जा सके।

### पीएमएमएसवाई के तहत क्लस्टर आधारित दृष्टिकोण:

- पीएमएमएसवाई का क्लस्टर मॉडल मत्स्यपालन मूल्य श्रृंखला से जुड़े उद्यमों को जोड़कर **कुशलता और प्रतिस्पर्धात्मकता** बढ़ाने पर केंद्रित है।
- मछुआरों, प्रोसेसर्स और उद्यमियों के बीच **सहयोग** को बढ़ावा देकर **आर्थिक लाभ** और बेहतर बाजार पहुंच सुनिश्चित करता है।
- सफल उदाहरण: **पर्ल क्लस्टर (झारखंड), ऑर्नामेंटल मत्स्य क्लस्टर (तमिलनाडु), और सीवीड क्लस्टर (लक्षद्वीप)**।

### मत्स्य क्षेत्र का राष्ट्रीय और वैश्विक महत्व:

#### राष्ट्रीय स्तर पर:

- मत्स्य क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है, यह **3 करोड़ मछुआरों और मत्स्यपालकों** को आजीविका प्रदान करता है।
- भारत का **मत्स्य क्षेत्र कृषि जीडीपी में लगभग 1.24%** और कुल जीडीपी में 0.92% का योगदान करता है।

#### वैश्विक स्तर पर:

- **दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश**, भारत वैश्विक मछली उत्पादन में **8% योगदान** देता है।
- भारत **झींगा उत्पादन और निर्यात में वैश्विक नेता** है।

**सरकारी प्रयास:** 2015 के बाद से, सरकार ने **₹38,572 करोड़** की प्रतिबद्धता जताई है, जिसमें निम्न योजनाएं शामिल हैं:

- **नीली क्रांति (Blue Revolution)**
- **मत्स्यपालन और जलकृषि अवसंरचना विकास कोष (FIDF)**
- **प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY)**

# भारतपोल पोर्टल / 'Bharatpol' Portal

**संदर्भ:**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह **ने 'भारतपोल' पोर्टल** का उद्घाटन किया। यह पोर्टल, जिसे **सीबीआई (CBI)** ने विकसित किया है, अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग को बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है।

## भारतपोल क्या है?

### पृष्ठभूमि: भारत में इंटरपोल के लिए सीबीआई की भूमिका:

- **केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI)** भारत में इंटरपोल के नेशनल सेंट्रल ब्यूरो (NCB-नई दिल्ली) के रूप में कार्य करता है।
- यह भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों और इंटरपोल के **195 सदस्य देशों** के बीच समन्वय स्थापित करता है।
- वर्तमान में, समन्वय पत्र, ईमेल और फैक्स के माध्यम से होता है, जिससे **जांच में देरी** हो सकती है।

### भारतपोल के बारे में:

- **उद्देश्य:** अंतरराष्ट्रीय सहयोग को तेज और प्रभावी बनाना, जिससे **पुलिस सहयोग** अधिक सुगम हो।
- यह अपराध जांच में **रीयल-टाइम सहायता** प्रदान करता है।
- भारतपोल को **साइबर अपराध**, वित्तीय अपराध, **ड्रग्स और मानव तस्करी**, ऑनलाइन उग्रवाद और संगठित अपराध जैसे **अंतरराष्ट्रीय अपराधों** के बढ़ते मामलों को देखते हुए विकसित किया गया।
- इन अपराधों के लिए **त्वरित अंतरराष्ट्रीय समन्वय** की आवश्यकता होती है।

### भारतपोल पोर्टल की प्रमुख विशेषताएँ:

1. **एकीकृत मंच:**
    - सीबीआई (NCB-नई दिल्ली) को भारत के सभी **कानून प्रवर्तन अधिकारियों** (एसपी, सीपी) से जोड़ता है।
    - **निर्बाध समन्वय** सुनिश्चित करता है।
2. **सरल अनुरोध तंत्र:**
    - फ्रंटलाइन पुलिस अधिकारी **मानकीकृत टेम्पलेट्स** का उपयोग करके इंटरपोल के 195 सदस्य देशों से **अंतरराष्ट्रीय सहायता** मांग सकते हैं।
3. **सूचना का त्वरित प्रसार:**
    - सीबीआई इंटरपोल सदस्य देशों से प्राप्त आपराधिक खुफिया जानकारी को भारत के कानून प्रवर्तन एजेंसियों तक **शीघ्रता से साझा** कर सकती है।
4. **इंटरपोल नोटिस का उपयोग:**
    - रेड कॉर्नर नोटिस और अन्य इंटरपोल नोटिस के लिए अनुरोध को सरल बनाता है।
    - **अपराधियों और अवैध संपत्तियों** की वैश्विक ट्रैकिंग में मदद करता है।
5. **क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण:**
    - पोर्टल **दस्तावेज़, टेम्पलेट्स और प्रशिक्षण संसाधनों** तक पहुंच प्रदान करता है।
    - अंतरराष्ट्रीय जांच के लिए फ्रंटलाइन अधिकारियों के कौशल को बेहतर बनाता है।

### भारतपोल के मुख्य मॉड्यूल:

1. **कनेक्ट:** भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों को इंटरपोल के **NCB-नई दिल्ली** का विस्तार बनाने में मदद करता है।
    - **सुरक्षित और तेज़ अनुरोध प्रसंस्करण** सुनिश्चित करता है।
2. **इंटरपोल नोटिस:** अंतरराष्ट्रीय अपराध ट्रैकिंग को बेहतर बनाने के लिए इंटरपोल नोटिस के अनुरोध को सुव्यवस्थित करता है।
3. **ब्रॉडकास्ट:** इंटरपोल के 195 सदस्य देशों से **सहायता अनुरोधों** की **रीयल-टाइम पहुंच** प्रदान करता है।
4. **संदर्भ (References):** अंतरराष्ट्रीय जांच के लिए संदर्भों को व्यवस्थित और प्रबंधित करता है।
5. **संसाधन (Resources):** दस्तावेज़ों और प्रशिक्षण सामग्रियों के आदान-प्रदान और प्रबंधन को सरल बनाता है।

### इंटरपोल के बारे में:

- **पूरा नाम**: इंटरनेशनल क्रिमिनल पुलिस ऑर्गनाइजेशन।
- **कोड नाम**: इंटरपोल रेडियो-टेलीग्राफ कोड है।
- **सदस्य**: यह **196 सदस्य देशों** से मिलकर बना है।
- **मुख्यालय**: ल्योन, फ्रांस।
- **स्थापना**: 1923 में।
- **संयुक्त राष्ट्र से संबंध**:
    - यह **संयुक्त राष्ट्र के अधीन कार्य नहीं करता**।
    - 1996 से संयुक्त राष्ट्र में **स्थायी पर्यवेक्षक (Permanent Observer)** की विशेष भूमिका निभा रहा है।

# जल चक्र और जलवायु परिवर्तन / Water Cycle and Climate Change

**संदर्भ:**

एक नई रिपोर्ट में **जलवायु परिवर्तन के कारण पृथ्वी के जल चक्र में गंभीर बाधाओं** का खुलासा हुआ है, जिससे **भूमि, महासागरों और वातावरण के बीच पानी के प्रवाह में असंतुलन पैदा** हो रहा है। इसका परिणाम **अत्यधिक वर्षा, विनाशकारी बाढ़ और व्यापक सूखे** के रूप में सामने आया है, जिसने 2024 में वैश्विक स्तर पर अरबों लोगों को प्रभावित किया।

## जल चक्र (Water Cycle):

जल चक्र में पानी का निरंतर आवागमन शामिल है, जो पृथ्वी की सतह, वायुमंडल, और भूमिगत स्तर पर ठोस, द्रव, और गैसीय अवस्थाओं में होता है।

- सूर्य की ऊर्जा द्वारा संचालित यह प्रक्रिया, जैसे वाष्पीकरण, वाष्पोत्सर्जन, संघनन और वर्षा, पृथ्वी पर जल उपलब्धता और मौसम को संतुलित करती है।

**जल चक्र के घटक:**

1. **वाष्पीकरण (Evaporation):** जल तरल रूप से वाष्प में बदलता है, मुख्य रूप से महासागरों से, सूर्य की ऊर्जा के द्वारा।
2. **प्रतिसरण (Transpiration):** पौधे वातावरण में जल वाष्प छोड़ते हैं, जिससे नमी बढ़ती है।
3. **संघनन (Condensation):** वातावरण में जल वाष्प ठंडा होकर बादल बनाता है, जो वर्षा का आधार बनता है।
4. **वर्षा (Precipitation):** जल वर्षा, हिमपात, या ओलों के रूप में पृथ्वी पर वापस आता है, जिससे सतह और भूमिगत जल भंडार भरते हैं।
5. **अवशोषण (Infiltration):** जल मिट्टी में समा जाता है, भूजल का पुनर्भरण करता है और वनस्पति को सहारा देता है।
6. **अपवाह (Runoff):** जल भूमि पर बहकर नदियों, झीलों और समुद्र में पहुंचता है, जिससे जल संतुलन बना रहता है।

## जल चक्र पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव:

### 1. वाष्पीकरण और वर्षा में वृद्धि:

- बढ़ते वैश्विक तापमान से वाष्पीकरण तेज होता है, जिससे वायुमंडल में अधिक नमी एकत्र होती है।
- प्रत्येक 1°C तापमान वृद्धि पर वायुमंडल 7% अधिक नमी धारण करता है, जिससे भारी और बार-बार बारिश होती है।

### 2. सूखा और सूखी मिट्टी:

- वाष्पीकरण दर में वृद्धि मिट्टी को सूखा बनाती है, जिससे बारिश के समय पानी का अवशोषण कम हो जाता है।
- यह सूखे और सतही जल प्रवाह का चक्र उत्पन्न करता है, जिससे मिट्टी में नमी बनाए रखना मुश्किल होता है।

### 3. संभावित रुझान:

- सदी के अंत तक वैश्विक तापमान में 2.6–3.1°C तक वृद्धि की संभावना है, जिससे जल चक्र में गंभीर व्यवधान हो सकता है।
- **IPCC** ने अधिक तीव्र सूखे और चरम वर्षा जैसी दीर्घकालिक परिवर्तनों की भविष्यवाणी की।

**4. भौगोलिक बदलाव:** जलवायु परिवर्तन से वर्षा बेल्ट और रेगिस्तान के स्थान बदल सकते है।

## महासागर का पानी गर्म और अम्लीय हो रहा है:

### मृत हो रहे प्रवाल भित्तियाँ (Coral Reefs):

- उथले महासागरों का गर्म पानी पिछले कुछ दशकों में लगभग 25% प्रवाल भित्तियों के विनाश का कारण बना है।
- गर्म पानी के कारण **प्रवाल विरंजन (Coral Bleaching)** होता है, जिससे प्रवाल कमजोर होकर खत्म हो जाते हैं।

### अम्लीयता में वृद्धि:

- वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करने के कारण महासागर का पानी अधिक अम्लीय हो रहा है।
- इससे प्रवाल और समुद्री जीवों के लिए अपने खोल और हड्डियां बनाना मुश्किल हो गया है।

## 2024 ग्लोबल वाटर मॉनिटर रिपोर्ट की मुख्य बातें:

**1. आपदाएँ और आर्थिक प्रभाव:** 2024 में जल से संबंधित आपदाओं ने 8,700 से अधिक लोगों की जान ली, 40 मिलियन लोगों को विस्थापित किया, और $550 बिलियन का आर्थिक नुकसान किया।

**2. चरम स्थितियों में वृद्धि:**

- रिकॉर्ड-शुष्क महीनों की घटनाएँ बेसलाइन अवधि (1995-2005) की तुलना में 38% अधिक पाई गईं।
- दैनिक वर्षा रिकॉर्ड 2000 की तुलना में 52% अधिक बार टूटे।

**3. क्षेत्रीय जल संग्रहण रुझान:** अधिकांश शुष्क क्षेत्रों में भूमि जल संग्रहण (TWS) के निम्न स्तर देखे गए।

- अफ्रीका के कुछ हिस्सों में TWS में वृद्धि अपवाद रही।

**4. 2025 के लिए प्रक्षेपण**

- उत्तरी दक्षिण अमेरिका, दक्षिणी अफ्रीका, और एशिया के कुछ हिस्सों में सूखे की स्थिति और खराब होने की संभावना है।
- गीले क्षेत्रों जैसे साहेल और यूरोप में बाढ़ के जोखिम बढ़ सकते हैं।

# सकल घरेलू उत्पाद का पहला अग्रिम अनुमान / First Advance Estimates of Gross Domestic Product (GDP)

**संदर्भ:**

**राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO)** ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए **सकल घरेलू उत्पाद (GDP)** के प्रथम अग्रिम अनुमान (first advance estimates) जारी किए हैं।

## वार्षिक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के प्रथम अग्रिम अनुमान के बारे में:

1. **अग्रिम अनुमान:**
   - GDP के अग्रिम अनुमान संकेतकों पर आधारित होते हैं और बेंचमार्क-संकेतक विधि का उपयोग करके संकलित किए जाते हैं।
2. **डेटा स्रोत:**
   - डेटा विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और निजी एजेंसियों से प्राप्त किया जाता है।
3. **क्षेत्रवार अनुमान:**
   - अलग-अलग क्षेत्रों के लिए अनुमान निम्नलिखित संकेत के आधार पर तैयार किए जाते हैं:
     - औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP)।
     - सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन।
     - कृषि और बागवानी फसल अनुमानों।
     - पशुधन उत्पादन लक्ष्य।
     - मछली उत्पादन।
     - अन्य उत्पादन और खपत संकेतक।

## भारत के GDP अनुमान (2024-25) के मुख्य बिंदु:

### 1. GDP वृद्धि:

- **वास्तविक GDP वृद्धि:** 6.4% (2023-24 में 8.2% से कम)।
- **सकल GDP:** ₹324.11 लाख करोड़ (9.7% की वृद्धि)।

### 2. क्षेत्रीय वृद्धि:

- **प्राथमिक क्षेत्र:** 3.6% की वृद्धि (2023-24 में 2.1% से सुधार)।
- **द्वितीयक क्षेत्र:** 6.5% की वृद्धि (2023-24 में 9.7% से कम)।
  - **उद्योग:** निर्माण (9%) और विनिर्माण (14%) मुख्य योगदानकर्ता।
- **तृतीयक क्षेत्र:** 7.2% की वृद्धि (2023-24 में 7.6% से कम)।

### 3. उपभोग व्यय:

- **निजी अंतिम खपत व्यय (PFCE):** 7.3% की वृद्धि (पिछले वर्ष 4% से अधिक)।
- **सरकारी अंतिम खपत व्यय (GFCE):** 4.1% की वृद्धि (पिछले वर्ष 2.5% से अधिक)।

### 4. सकल मूल्य वर्धन (GVA):

- **वास्तविक GVA वृद्धि:** 6.4% (2023-24 में 7.2% से कम)।
- **सकल GVA:** ₹292.64 लाख करोड़ (9.3% की वृद्धि)।

### 5. शुद्ध निर्यात:

- आयात निर्यात से अधिक होने के कारण GDP पर नकारात्मक प्रभाव।
- **घटाव प्रभाव:** 144% की वृद्धि, लेकिन 19.6% से घटकर 13.3% होने से स्थिति में सुधार के संकेत।

## सकल घरेलू उत्पाद (GDP):

किसी देश की सीमाओं के भीतर एक निश्चित अवधि (आमतौर पर एक वर्ष) में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के अंतिम मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है।

## GDP के प्रकार:

1. **मौद्रिक GDP (Nominal GDP):**
   - वस्तुओं और सेवाओं का वर्तमान कीमतों पर मूल्य, जिसमें मुद्रास्फीति को समायोजित नहीं किया जाता।
   - इसका उपयोग एक ही वर्ष के भीतर उत्पादन की तुलना के लिए किया जाता है।
   - सामान्यत:, यह वास्तविक GDP से अधिक होता है क्योंकि मुद्रास्फीति का प्रभाव शामिल होता है।
2. **वास्तविक GDP (Real GDP):**
   - यह मुद्रास्फीति के प्रभाव को हटाकर वास्तविक उत्पादन और सेवाओं की मात्रा दर्शाता है।
   - विभिन्न वर्षों के बीच तुलना के लिए उपयोगी।
3. **प्रति व्यक्ति GDP (GDP Per Capita):**
   - देश में प्रति व्यक्ति औसत आर्थिक उत्पादन या आय को मापता है।
   - जीवन स्तर और उत्पादकता का संकेतक।
4. **GDP वृद्धि दर (GDP Growth Rate):**
   - GDP में त्रैमासिक या वार्षिक बदलाव को मापता है।
   - यह मुद्रास्फीति और बेरोजगारी नीतियों से निकटता से जुड़ा होता है।
   - तेज़ी से बढ़ती वृद्धि संकेत कर सकती है कि अर्थव्यवस्था अधिक गर्म हो रही है, जिससे केंद्रीय बैंक ब्याज दर बढ़ा सकते हैं।
   - नकारात्मक वृद्धि मंदी का संकेत देती है, जिसमें केंद्रीय बैंक ब्याज दर कम कर सकते हैं।
5. **GDP क्रय शक्ति समानता (PPP):**
   - स्थानीय कीमतों और जीवन स्तर में अंतर को समायोजित कर देशों के बीच तुलना संभव बनाता है।
   - यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वास्तविक उत्पादन, आय, और जीवन स्तर का मूल्यांकन करने में मदद करता है।

# राष्ट्रगान बजाने के संबंध में दिशानिर्देश / Guidelines on Playing National Anthem

**संदर्भ:**

तमिलनाडु के राज्यपाल ने वर्ष के पहले सत्र के उद्घाटन दिवस पर विधान सभा में पारंपरिक अभिभाषण दिए बिना ही विधानसभा छोड़ दी। उन्होंने यह शिकायत की कि उनके निर्धारित अभिभाषण से पहले राष्ट्रीय गान नहीं बजाया गया।

## जन गण मन: भारत का राष्ट्रगान:

### रचना:

- **रवींद्रनाथ टैगोर** ने इसे बंगाली भाषा में रचा।
- इसे पहली बार **27 दिसंबर, 1911** को कोलकाता में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सत्र में गाया गया।

### स्वीकृति:

- इसे **24 जनवरी, 1950** को भारत की संविधान सभा द्वारा आधिकारिक रूप से अपनाया गया।
- हिंदी संस्करण में टैगोर की मूल पाँच-पंक्तियों की कविता का केवल पहला छंद शामिल है।
- गान की आधिकारिक अवधि **52 सेकंड** है।

## राष्ट्रगान से संबंधित संवैधानिक प्रावधान:

### मौलिक कर्तव्य (अनुच्छेद 51A(a)):

- प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह संविधान, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करे।
- राष्ट्रगान के गायन या प्रदर्शन के लिए संविधान में विशेष नियम नहीं हैं, लेकिन इसे विधियों और दिशानिर्देशों द्वारा नियंत्रित किया जाता है।

## राष्ट्रगान के प्रदर्शन के अवसर:

गृह मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रगान का पूर्ण संस्करण निम्न अवसरों पर बजाया जाता है:

1. **नागरिक और सैन्य अलंकरण:** सम्मान समारोहों में।
2. **राष्ट्रीय सलामी:** जब "राष्ट्रीय सलामी – सलामी शस्त्र" का आदेश दिया जाता है।
3. **परेड:** चाहे उपरोक्त गणमान्य व्यक्ति उपस्थित हों या न हों।
4. **राष्ट्रपति का आगमन और प्रस्थान:** औपचारिक राज्य समारोहों और सरकारी आयोजनों में।
5. **राष्ट्रपति का संबोधन:** ऑल इंडिया रेडियो पर संबोधन से पहले और बाद में।
6. **राज्यपाल/उपराज्यपाल का आगमन और प्रस्थान:** राज्य के औपचारिक कार्यक्रमों में।
7. **परेड के दौरान:** जब राष्ट्रीय ध्वज या रेजिमेंटल कलर प्रस्तुत किए जाते हैं।
8. **नौसेना समारोह:** नौसेना में ध्वज फहराने के दौरान।

## राष्ट्रीय गान गाने के लिए आचार संहिता:

**सावधान मुद्रा:** राष्ट्रगान गाते या बजाते समय सभी उपस्थित व्यक्तियों को सावधान मुद्रा में खड़ा होना चाहिए।

- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए अपवाद की अनुमति है।

**समाचार फिल्में या दस्तावेजी फिल्में:** यदि राष्ट्रगान समाचार फिल्म या दस्तावेजी फिल्म का हिस्सा है, तो दर्शकों को खड़े होने की आवश्यकता नहीं है।

**संक्षिप्त संस्करण:** औपचारिक उद्देश्यों के लिए लगभग 20 सेकंड का संक्षिप्त संस्करण उपयोग में लिया जा सकता है।

## कानूनी सुरक्षा:

### राष्ट्रीय सम्मान का अपमान निवारण अधिनियम, 1971:

- राष्ट्रगान का जानबूझकर अनादर करना या गान में लगे समूह को बाधित करना दंडनीय अपराध है।
- इसके लिए **तीन वर्ष तक की कैद**, जुर्माना, या दोनों का प्रावधान है।

## महत्वपूर्ण सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय:

**बीजो एम्मानुएल बनाम केरल राज्य (1986):**

- यहोवा के साक्षी (Jehovah's Witness) के छात्र राष्ट्रगान गाने से इनकार करते हुए सम्मानपूर्वक खड़े हुए।
- सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय दिया कि उन्हें निष्कासित करना उनकी धार्मिक स्वतंत्रता और विवेक का उल्लंघन था (धारा 25)।
- इस निर्णय ने विभिन्न विश्वासों के प्रति सहनशीलता और सम्मान की अहमियत को उजागर किया।

**श्याम नारायण चौकसे बनाम भारत संघ (2018):**

- **अंतरिम आदेश (2016):** सिनेमा हॉल्स में फिल्में शुरू होने से पहले राष्ट्रीय गान बजाने का आदेश दिया गया, जिसमें दर्शकों को खड़ा होना आवश्यक था।
- **संशोधित आदेश (2018):** सिनेमा हॉल्स में राष्ट्रीय गान बजाना वैकल्पिक कर दिया गया।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

# SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

# ANKIT AVASTHI

**Video will be upload soon !**

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

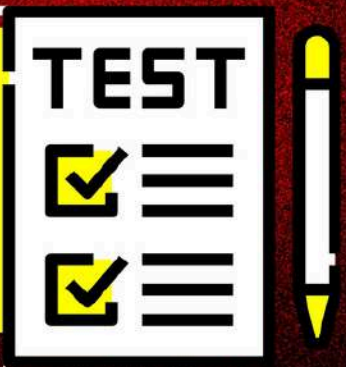

# GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

# APNI PATHSHALA

## UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

### UPPSC
( TEST SERIES )
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

### RO/ARO
( TEST SERIES )
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

### BPSC
( TEST SERIES )
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

### SSC ( TEST SERIES )
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

### RPF ( TEST SERIES )
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

**Download** | Application

**Apni Pathshala**

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

# NCERT COMPLETE

## FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

# SSC TEST SERIES

## CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

## Stenographer (Grades C & D)

Only at

**99/-Year**

Enroll Now !